# टाटा समूह, नौकरी भी देगा

## अलीगंज व मोहनलालगंज आईटीआई में जुलाई से शुरु होंगे दाखिले

सतीश संगम

लखनऊ। टाटा ग्रुप राजधानी के दो औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में न सिर्फ नया कोर्स चलाएगा, बल्कि पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को नौकरी भी देगा। ऐसा पहली बार है जब लखनऊ में किसी आईटीआई में इंडस्ट्री के माध्यम से कोर्स का संचालन होने जा रहा है। इसके लिए आईटीआई और टाटा समूह के बीच करार हुआ है।

आईटीआई पास करने के बाद प्रशिक्षुओं के सामने नौकरी का संकट होता है। कहा जाता है कि जिस मॉड्यूल के हिसाब से प्रशिक्षण दिया गया है, इंडस्ट्री में वह आउटडेटेड है। इस वजह से नौकरी मिलने में समस्या होती है। प्लेसमेंट के समय कंपनी प्रशिक्षुओं को नौकरी पर रखती हैं, लेकिन काम लेने के लिए उनको पहले प्रशिक्षण देना होता है। इसके बाद ही वे काम के लायक बन पाते हैं। इसे देखते हुए आईटीआई में इंडस्ट्री की जरूरत के हिसाब से उसी की ओर से तैयार मॉड्यूल के आधार पर प्रशिक्षण देने की योजना तैयार की गई है। इसी के तहत अब नए कोर्स में दाखिले होने जा रहे हैं। (संवाद)

### सीएनसी, इलेक्ट्रिकल और रोबोटिक्स से जुड़े होंगे कोर्स

अलीगंज आईटीआई में ऑटो इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस जूनियर टेक्नीशियन और सीएनसी एडवांस मशीन, जूनियर टेक्नीशियन प्रोग्रामर के लिए शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रवेश मिलेगा। बॉक्स ऑफ डिजाइन एंड वर्चुअल फिटनेस में दो वर्षीय रेग्युलर कोर्स में प्रवेश लिया जाएगा। इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स एंड डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग टेक्नीशियन और कैप्स प्रोग्रामर से जुड़ा कोर्स एक वर्षीय होगा। मोहनलालगंज आईटीआई संस्थान में ऑटो इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस जूनियर टेक्नीशियन और बैटरी इलेक्ट्रिकल जूनियर टेक्नीशियन के लिए शॉर्ट टर्म कोर्स होंगे। मैकेनिक इलेक्ट्रिकल व्हीकल में दो वर्षीय कोर्स शुरू होगा। इसी तरह मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस कंट्रोल एंड ऑटोमेशन से जुड़े एक वर्षीय कोर्स की शुरुआत होगी।

### नौकरी के साथ स्वरोजगार का मौका

- बदलते दौर में इलेक्ट्रिकल व्हीकल की उपयोगिता व सरकारी प्रोत्साहन के फलस्वरूप ई-व्हीकल की मांग बढ़ गई है। मशीन के उत्पादन और उपकरण चालक की क्षमता में सुधार के लिए कंप्यूटरीकृत की मांग बढ़ रही है। इससे विद्यार्थियों को अलग-अलग कंपनियों में नौकरी मिलेगी। कोर्स करने से युवाओं को व्यवसाय से भी जुड़ने का मौका मिलेगा।

### प्रत्येक कोर्स में 30 सीटों पर प्रवेश

आईटीआई में शुरू हो रहे नए कोर्स में पहले चरण में 30 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। आवश्यकतानुसार सीट को बढ़ाया जाएगा।

> निजी कंपनियों के सहयोग से शुरू हो रहे कोर्स की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को नौकरी के लिए भटकना नहीं होगा। जिन निजी संस्थानों के सहयोग से कोर्स शुरू होंगे, उन्हीं कंपनी में युवाओं को नौकरी मिल सकेगी। 60 फीसदी युवाओं को टाटा कंपनी में नौकरी की गारंटी होगी। बाकी, 40 फीसदी युवाओं को अन्य संस्थानों में नौकरी के लिए ऑफर दिया जाएगा।
>
> **-अनील वर्मा**, संयुक्त निदेशक, आईटीआई लखनऊ मंडल